सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-200
21/04/2018

बिहार के गौरवशाली स्थान को फिर से प्राप्त करना है, इसमें प्रशासनिक पदाधिकारियों की बड़ी भूमिका होगी :– मुख्यमंत्री

पटना, 21 अप्रैल 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद सभाकक्ष में सिविल सेवा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिविल सेवा दिवस के अवसर पर मैं आप सबको बधाई और शुभकामनायें देता हूँ। श्री आमिर सुबाहानी ने सिविल सेवा दिवस की महत्ता की जिस लहजे में जानकारी दी है, इससे आज का माहौल खुशनुमा हो गया है। इसी तरह आप सब सिविल सेवक प्रसन्न होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहें। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आप सब स्थायी एक्जीक्यूटिव हैं, आपका कार्यकाल स्थायी है। सरकार में निर्वाचित लोगों का भी दायित्व है। हम सब निर्वाचित लोग देश की उन्नति के लिए जनता के विचार के अनुरूप योजनायें बनाते हैं, संसाधन भी उपलब्ध कराते हैं लेकिन उनको क्रियान्वित सिविल सेवकों को ही करना होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी क्षेत्र में काम हो रहा है, काम का दायरा भी बढ़ा है। हम यात्रा पर निकलते हैं, साथ में पदाधिकारी भी उपस्थित रहते हैं, जिससे बहुत चीजों को देखने–सुनने के बाद चलाए जा रहे कार्यक्रमों में सुधार लाते हैं। जिले के प्रभारी अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी को उन जगहों पर जाने के बाद अपने काम में विस्तार में सहूलियत होती है और क्रियान्वयन में तेजी आती है। अभी अधिकारियों की कमी है लेकिन इन सबके बावजूद राज्य में काम का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा के क्रम में लोगों की ख्वाहिशों को जानने का मौका मिलता है। लोग अब गाँव में पक्की गली–नाली, पीने के लिए नल का पानी, हर घर में शौचालय, हर घर में बिजली चाहते हैं। युवा मन की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए सरकार काम कर रही है। लड़कियों के लिए पोशाक एवं साइकिल योजना चलाई गयी, इससे शिक्षा में सुधार हुआ। अभी बिहार का ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो राष्ट्रीय स्तर से कम है। उच्चतर शिक्षा में सुधार के लिए स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लागू की गयी है। रोजगार तलाश करने वाले युवाओं के लिए स्वयं सहायता भत्ता दिया जा रहा है। कुशल युवा कार्यक्रम के तहत युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। युवाओं की उद्यमिता के लिए वेंचर कैपिटल फण्ड का गठन किया गया है। राज्य के युवाओं को पढ़ने के लिए बाहर नहीं जाना पड़े, इसके लिए जिलों में इंजीनियरिंग कॉलेज, जी0एन0एम0 संस्थान, पॉलिटेक्निक कॉलेज, पारा मेडिकल संस्थान, महिला आई0टी0आई0, प्रत्येक सब डिविजन में ए0एन0एम0 स्कूल, आई0टी0आई0 कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए राज्य की सभी सेवाओं में 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है। किसानों के हित के लिए कृषि रोड मैप बनाया गया है। पर्यावरण के क्षेत्र में राज्य में हरित आवरण 15 प्रतिशत तक पहुँचाने के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आपदाओं की सूची के अंतर्गत आने वाली आपदाओं से राहत के लिए 24 घंटे के अंदर पीड़ित तक 4 लाख रुपये पहुँचाये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय कार्यक्रम के चलते भी कामों का विस्तार हुआ है। राज्य में प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में काम किये गये हैं। वर्ष 2006 से 10 वर्षों तक जनता की शिकायतों के निपटारे के लिए जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम चलाया गया। जिले के पदाधिकारी द्वारा भी जनता की शिकायतों के समाधान के लिए भी कार्यक्रम चलाये गये। 2011 से लोक सेवा का अधिकार कानून लाया गया। लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम बनाया गया। इन सबसे लोगों को लाभ मिल रहा है। जनता की समस्याओं का समाधान हो रहा है। अब इसका प्रचार–प्रसार आम लोगों तक करना है ताकि इसका अधिक से अधिक लाभ उठाया जा सके। क्षेत्र में निकलने पर लोगों में आवेदन पत्र देने की प्रवृति अपने राज्य में ज्यादा है। मेरा सुझाव है कि जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण इन आवेदनों को संग्रहित कर राज्य मुख्यालय भेजें और वहां से उचित जगह पर समाधान के लिए भेज दिया जाय। हर जिले में कुछ समाधान जो किये गये हैं, उनका प्रदर्शन भी लोगों के बीच किया जाए। लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों के अनुभवों को भी साझा करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काम को दबाव में नहीं करना चाहिये। कुछ कठिनाइयां आती हैं लेकिन इन सब चीजों को आनंद से करते रहिये। आपके काम करने से लोगों के मन में असर पड़ता है। 10 से 20 साल तक लोग आपके कामों को याद रखते हैं। सरकार के काम में स्थायी लोगों को रखने से सरकारी तंत्र मजबूत होगा काम अनुशासित ढंग से होगा। सरकारी तंत्र के प्रति आज भी जनता के मन में पूरा भरोसा है। आज जिन जिलाधिकारियों को पुरस्कृत किया गया है और जिन्हें नहीं किया गया है, सभी लोग अच्छे ढंग से काम करते रहिये। हमलोग संसाधन उपलब्ध कराने में पीछे नहीं रहते हैं। अब बजट का आकार काफी बढ़ गया है, योजनायें भी काफी बढ़ गयी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा आज सबसे बड़ी समस्या भूमि विवाद संबंधी है। आप सब काम करने के दौरान यह स्वयं अनुभव करते होंगे। भूमि संबंधी मामले का जल्द समाधान हो जाए तो इससे कृषि उत्पादन में बहुत अधिक वृद्धि होगी। भूमि संबंधी सुधार में अगर कामयाबी मिल गई तो राज्य में शांति आएगी, राज्य की तस्वीर बदल जायेगी। उन सब चीजों को सोचकर काम करना है। मैं आप सब पदाधिकारियों से आह्वान करता हूँ कि भूमि संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये शुरू किये गये काम पूरा करें। मैं आप सिविल सेवकों को आज के इस सिविल दिवस पर अपनी शुभकामनायें देता हूँ। बिहार के गौरवशाली स्थान को फिर से प्राप्त करना है, इसमें आप सबों की बड़ी भूमिका होगी।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत सामान्य प्रशासन एवं गृह विभाग के प्रधान सचिव श्री आमिर सुबहानी ने पुष्प–गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के प्रचार अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर वायस मैसेज, टीवी स्पॉट, रेडियो जिंगल का शुभारंभ किया। लोक सेवा का अधिकार अधिनियम, बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, सात निश्चय का क्रियान्वयन तथा राजस्व संग्रह में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने लोक सेवा का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के लिए समस्तीपुर जिले के जिलाधिकारी श्री प्रणव कुमार, दूसरे स्थान के लिए जहानाबाद के जिलाधिकारी श्री आलोक रंजन घोष, तीसरे स्थान के लिए पटना के जिलाधिकारी श्री कुमार रवि को सम्मानित किया। लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के लिए प्रथम स्थान के लिए किशनगंज के जिलाधिकारी श्री पंकज दीक्षित, दूसरे स्थान के लिए दरभंगा के जिलाधिकारी एवं तृतीय स्थान के लिए मधेपुरा के जिलाधिकारी मो0 सोहैल को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। सात निश्चय योजनाओं के क्रियान्वयन में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के लिए प्रथम स्थान नालंदा के जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एवं उप विकास आयुक्त नालंदा श्री सुब्रत कुमार सेन को, जबकि द्वितीय स्थान के लिए शेखपुरा के जिलाधिकारी श्री दिनेश कुमार एवं उप विकास आयुक्त शेखपुरा श्री निरंजन कुमार झा को एवं तृतीय स्थान के लिए रोहतास के जिलाधिकारी श्री अनिमेष कुमार पराशर एवं रोहतास की उप

विकास आयुक्त श्रीमती उदिता सिंह को सम्मानित किया गया। राजस्व संग्रह में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के लिए वाणिज्य कर विभाग के वाणिज्य कर अपर आयुक्त श्री अरुण कुमार वर्मा को, वाणिज्य कर उपायुक्त पटना श्री सत्येन्द्र कुमार सिन्हा, वाणिज्य कर उपायुक्त श्री अजिताभ मिश्र को एवं निबंधन विभाग के जिला अवर निबंधक पटना श्री सत्यनारायण चौधरी, जिला अवर निबंधक भागलपुर श्री गौतम कुमार, जिला अवर निबंधक रोहतास श्री निगम प्रकाश ज्वाला एवं परिवहन विभाग में जिला परिवहन पदाधिकारी पटना श्री अजय कुमार ठाकुर को सम्मानित किया गया।

समारोह को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव गृह एवं सामान्य प्रशासन श्री आमिर सुबहानी ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विकास आयुक्त श्री शिशिर सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन की अपर मिशन निदेशक डॉ0 प्रतिमा एस0 वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित प्रधान सचिव/सचिव, वरीय पदाधिकारीगण एवं अन्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारीगण उपस्थित थे।

******